उ0प्र0 पुलिस वाहन चालक हेतु ड्राइविंग प्रशिक्षण/व्यवहारिक ज्ञान के संबंध में

प्रस्तुतीकरण

वाहन नियंत्रण प्रणाली

1– हाथ के नियंत्रण
2– पैर के नियंत्रण
3– आँख के नियंत्रण

वाहन नियंत्रण प्रणाली

पैरों से नियंत्रण	1. **A.** एक्सीलरेटर– दाएँ पैर द्वारा इस्तेमाल 2. **B.** ब्रेक– दाएँ पैर द्वारा इस्तेमाल 3. **C.** क्लच– बाएँ पैर द्वारा इस्तेमाल https://youtube.com/shorts/hFa4XqamSkg?si=VbXjewOt8qA3K-BB
A- एक्सीलरेटर पैडल का इस्तेमाल कैसे करें	फर्श पर ऐड़ी टिकाए रखते हुए, दॉए पैर के पंजे का इस्तेमाल करें। जब कभी क्लच पैडल दबाया जाए, उस क्षण में इसको छोड़ देना चाहिए। इस पैडल को स्थिरत से दबाया जाना चाहिए। **https://youtube.com/shorts/OHkhck3d8E8?si=4agFj-CZkpB94BwP**

वाहन नियंत्रण प्रणाली

B-
ब्रेक पैडल

https://youtube.com/shorts/A85FulMc_5M?si=A8oAB2FWoq_9HdJi

- उचित दूरी व समय में वाहन को धीमा करने या रोकने के लिए, ब्रेक पैडल का इस्तेमाल किया जाता है।
- फर्श पर एड़ियों को न टिकाते हुए दॉए पैर के पंजे का इस्तेमाल करें। इस्तेमाल के ठीक बाद पैर को फर्श पर रखें।
- शान्त और असरदार ब्रेकिंग के लिए, ब्रेक पैडल को आहिस्ता से शुरूआत करते हुए क्रमशः दबाव के साथ दबाते जांए।
- वाहन को रोकने के लिए हमेषा पहले ब्रेक दबांए और वाहन को रूकने से कुछ क्षण पहले ही क्लच का प्रयोग करें।
- अत्यधिक व एकदम शक्ति से ब्रेक लगाने पर पहिये जाम हो सकते हैं जिससे स्टेयरिंग नियंत्रण खोने या गाड़ी फिसलने के आसार बनते हैं।

वाहन नियंत्रण प्रणाली

क्लच पैडल	➢ क्लच पैडल का इस्तेमाल इंजन की शक्ति व गियर बॉक्स का संबंध जोड़ने व तोड़ने के लिए किया जाता है। ➢ जब क्लच पैडल पूरा दबा हो तब इंजन का संबंध गियर बॉक्स से टूट जाता है और इंजन शक्ति गियर बॉक्स तक नहीं पहुँचती। https://youtube.com/shorts/CUoq1kIpknw?si=SbSSYYCS1k8n6TH3
क्लच पैडल दबाना चाहिए	➢ रूकी हुई अवस्था में वाहन को स्टार्ट करते समय, ➢ वाहन चलती हुए अवस्था में गियर बदलते समय, ➢ वाहन को रोकते समय,

वाहन नियंत्रण प्रणाली

हाथों के नियंत्रण

- स्टीयरिंग व्हील,
- गियर लीवर,
- हैंड ब्रेक,
- बत्ती नियंत्रक लीवर,
- इंडीकेटर्स,
- विंड स्क्रीन वाइपर्स स्विच या लीवर,
- हॉर्न,
- इग्नीशियन स्विच और स्टॉर्टर,
- खतरासूचक बत्ती स्विच

वाहन नियंत्रण प्रणाली

हाथों के नियंत्रण

➢ स्टीयरिंग व्हील–

1. रियर व्यू मिरर वाहन की दिशा का नियंत्रण करने के लिए प्रयोग होता है।
2. स्टीयरिंग व्हील को पकड़ने लिए दो तरीके सुझाये जाते हैं, जिसमें जो आरामदायक स्थिति लगे, उसका चुनाव करना चाहिए।
3. स्टीयरिंग व्हील को बॉये हाथ से घड़ी में लिखे नम्बर 10 और दायें हाथ से नम्बर 2 की स्थिति में या इसी प्रकार नम्बर 9 और नम्बर 3 की स्थिति में स्टीयरिंग व्हील को पकड़े।
4. मोड़ काटने के बाद, इसके स्वत: पूर्व की स्थिति में वापस आने के लिए स्टीयरिंग व्हील को न छोड़े, इसे घुमाते समय अपने शरीर को न मोड़े।

https://youtube.com/shorts/8ibmvBcshbQ?si=NK9E8h7XJO9TETql

वाहन नियंत्रण प्रणाली

हाथों के नियंत्रण

https://youtube.com/shorts/WtAoI1nXoQo?si=1n9Q8aFKTWwYbSpo

➢ गियर लीवर–

1. वाहन की शक्ति या रफ्तार को व्यवस्थित करने के लिए, गियर बदलने में इसका प्रयोग किया जाता है।
2. गियर बदलने के लिए हथली को गियर नॉब पर और जिस दिशा में गियर स्थित हो उसी तरफ रखें। गियर बदलते समय क्लच पैडल पूरी तरह दबा होना चाहिए।
3. वाहन को रूकी अवस्था से आगे बढ़ाने में पहले गियर का और पीछे बढ़ाने में रिवर्स गियर का प्रयोग करें।
4. रफ्तार बढ़ाने में गियर बदलने का क्रमः 1– 2– 3– 4– 5

   इसी प्रकार रफ्तार घटाने में गियर बदलने का क्रमः

   5– 4– 3– 2– 1 होना चाहिए।

वाहन नियंत्रण प्रणाली

हाथों के नियंत्रण

https://youtube.com/shorts/gIPrqWRPULg?si=jgFhLGf2fqFfNzzZ

➢ हैंड ब्रेक (पार्किंग ब्रेक)–

1. इसका प्रयोग पार्किंग करते समय, किसी चढ़ाई/ढलान पर वाहन रोके रखने व आगे बढ़ाने में तथा आपातकालीन स्थिति में करते हैं।
2. आपातस्थिति को छोड़कर, वाहन चलाते समय इसका प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए। हैंड ब्रेक लगाने के लिए– गोल लॉक प्लेट को लिफ्ट करें व लीवर को पूर्ण रूप से पीछे की ओर खींचे।
3. छुड़ाने के लिए– गोल लॉक प्लेट को लिफ्ट करें व लीवर को पूर्ण रूप से आगे की ओर बढ़ॉए। गोल लॉक प्लेट को तब तक लिफ्ट रखें जब तक 'ऑफ' पोजीशन न हो जाए।

वाहन नियंत्रण प्रणाली

ऑखों के नियंत्रण	स्पीडोमीटर–	वाहन की रफ्तार का कि0मी0/घंटा दर्शाता है।
	ओडोमीटर	वाहन द्वारा तय की गई कुल दूरी को किमी में दर्शाता है।
	फ्यूल गेज	वाहन के फ्यूल टेंक में फ्यूल के स्तर को दर्शाता है।
	ऑयल प्रेशर गेज	इंजन में ऑयल के दबाव को किग्रा0 प्रतिवर्ग सेंटीमीटर में दर्शाता है।
	एम्पीयर मीटर	यह बैटरी की चार्जिंग की स्थिति के बारे में जानकारी देता है।
	टैम्परेचर गेज (तापमापी)	इग्नीशियन स्विच के ऑन होने पर यह इंजन का बढ़ता हुआ तापमान दर्शाता है।
	ब्रेक फलयूड चेतावनी बत्ती	ब्रेक फलयूड संचयक (रिजर्वायर) में, अपर्याप्त ब्रेक फलयूड की चेतावनी देता है। इग्निशन ऑन होने पर इस बत्ती को जलना व इंजन चालू होने पर इसको बुझ जाना चाहिए।
	टर्न इंडीकेशन बत्तियां	टर्न इंडीकेटर लीवर को आगे की ओर बढ़ाने पर घड़ी के विपरीत दिशा में बॉए तरफ तीर को चमकना चाहिए व पीछे के ओर बढ़ाने पर घड़ी की दिशा में दायें तीर को चमकना चाहिए।
	खतरासूचक चेतावनी बत्तियां	इस उपयोग कोहरा व बारिस में प्रयोग एकसाथ किया जाता है। इसमें सभी इंडीकेटर्स एकसाथ चमकना चाहिए।
	एयर क्लीनर चोक इंडीकेटर	यह एयर फिल्टर चोक होने पर इंडिकेट करता है।
	गति नियंत्रक (स्पीड गवर्नर)	गति नियंत्रक का उपयोग वाहन की गति को एक सीमा तक सीमित रखने के लिए प्रयोग किया जाता है।

एक अच्छा चालक अथवा अच्छा सड़क प्रयोगकर्ता

एक अच्छा चालक बनने के लिए निम्नलिखित गुण होने चाहिए–

1– जिम्मेदारी
2– पूर्वानुमान
3– एकाग्रता
4– धैर्य
5– आत्मविश्वास
6– अनुशासन

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि सड़क का ज्यादातर प्रयोग चालक करते हैं, अतः उसका यह विशेष कर्तव्य है कि सड़क पर अनुशासन तथा दूसरे प्रयोगकर्ताओं के प्रति विनम्रता बनाये रखें।

एक अच्छा चालक अथवा अच्छा सड़क प्रयोगकर्ता

चालक की जिम्मेदारी किस–किस के प्रति है?

1. स्वयं के प्रति
2. अपने वाहन के प्रति
3. दूसरे सड़क प्रयोगकर्ता के प्रति

आक्रोश का प्रदर्शनः–

आक्रोश पर कैसे काबू पायेंः–

(1) अपने आप से पूछें–

1– क्या यह परिस्थिति मेरे लिए आवश्यक है ?

2– क्या मेरी प्रतिक्रिया जायज है ?

3– इस परिस्थिति को सुधारने के लिए मैं क्या कर सकता हूॅ ?

(2) कुछ आसान उपाय–

1– अपनी प्रतिक्रिया न दर्शायें।

2– सहयात्री से हल्की–फुल्की बातचीत करें।

3– गहरी सांस ले व अपने को ढीला छोड़ दें।

4– एक से दस तक गिनती गिने।

5– दूसरे चालक के साथ नजर न मिलायें।

6– नियमों के दायरे में रहकर गाड़ी चलायें।

7– ऐसा व्यवहार न करें जो अन्य चालकों के लिए परेशानी पैदा करें।

एक अच्छा चालक अथवा अच्छा सड़क प्रयोगकर्ता

जरूरी कागजात–

यह सभी जरूरी कागजात आपकी गाड़ी में होने चाहिए–

1. वैध ड्राइविंग लाइसेंस
2. पंजीकरण प्रमाण–पत्र
3. वैध प्रदूषण प्रमाण–पत्र
4. वैध बीमा प्रमाण–पत्र

सड़क शिष्टाचारः–

बड़े वाहन के चालक अक्सर भूल जाते हैं कि सड़क केवल उन्हीं के लिए नहीं बनी है, बल्कि यह पैदल चलने वालों, साईकिल चलाने वालों तथा स्कूटर और मोटरसाइकिल चालकों, सभी के लिए समान रूप से है। सभी वाहन चालकों को यह बात ध्यान में रखकर सावधानी से ड्राइविंग करनी चाहिए तथा सड़क का इस्तेमाल कर रहे अन्य लोगों पर लगातार नजर रखनी चाहिए। खासकर बच्चे, जो अचानक कुछ भी कर सकते हैं, जबकि बुजुर्ग लोगों के पैदल चलने के रफ्तार कम होती है और वह सड़क देर में पार कर पाते हैं।

दुर्घटना के मुख्य कारण

चालक– कुशलता, भावुकता, दूरदृष्टि, शराब का प्रभाव, शारीरिक स्थिति, यातायात नियमों का उल्लंघन।

वाहन– प्रकाश, टायर, नियंत्रण, मिरर।

मौसम– बारिस, धुन्ध/कुहरा, हवा।

यातायात– यातायात का घनत्व, वाहनों के बीच की दूरी, वाहनों की गति, अन्य वाहन।

सड़क– गढढे, चिकनी/गीली सड़के, असमतल सड़कें, गति अवरोधक, अतिक्रमण।

प्रकाश– हाई वीम का प्रयोग, पिछली बत्तियां, इण्डीकेटर्स व पार्किंग बत्तियों का खराब होना।

वाहन ड्राइविंग को प्रभावित करने वाले मुख्य व्यक्तित्व लक्षण–

1. बेसब्री
2. चिड़चिड़ापन
3. उत्तेजित होना
4. आक्रामक रवैया
5. सहानुभूति का अभाव
6. कार्य दबाव
7. बिना इच्छा या विचार संबंधी क्रिया।

सुरक्षित ड्राइविंग

प्रति 15 किमी/घंटें की गति पर लगभग एक कार की लम्बाई जितनी दूरी बनाए रखें। रात में, गीली या फिसलन वाली सड़कों पर इस दूरी को दुगुना या तिगुना कर दें।

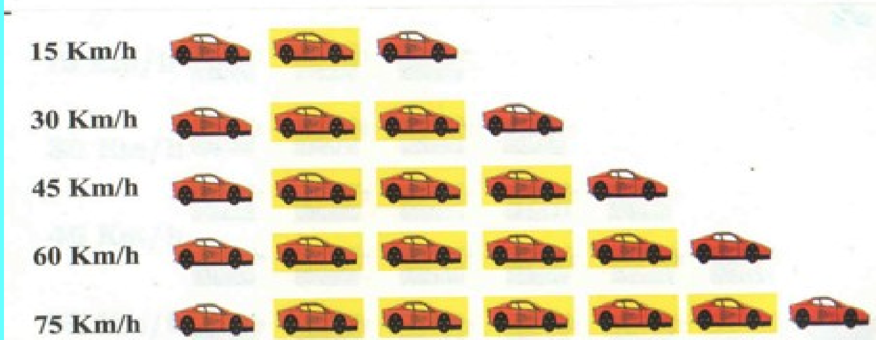

बरसात में खतरे–

1–खराब दृश्यता– गाड़ी की हेडलाइट ऑन रखें ताकि सड़क पर गाड़ी चलाते समय आप स्पष्ट देख सकें।

2–फिसलनी सड़कें– गाड़ी की गति कम करें ताकि आप सुरक्षित मोड़ व सम्भाल सकें।

3–सुरक्षित दूरी– आगे जा रहे वाहन से दूरी बढ़ा कर रखें।

अगर आपकी गाड़ी फिसल जाए–

1– गति न बढ़ाये।

2– क्लच न दबायें।

3– ब्रेक न लगायें।

4– जिस दिशा में गाड़ी फिसल रही हो उसकी दिशा में स्टेयरिंग घुमाकर गाड़ी को सीधा करने की कोशिश करें।

5– जरूरत से ज्यादा स्टेयरिंग न घुमायें।

रात में गाड़ी चलाना–

सुनिश्चित कर लें कि आपकी गाड़ी सड़क पर दिखाई दें। निम्न परिस्थितियों में हाई बीम का इस्तेमाल न करें–

1– सामने से आती गाड़ियों पर,

2– अगर आप किसी गाड़ी के काफी नजदीक चल रहे हों,

3– बरसात के मौसम में।

सुरक्षित ड्राइविंग

धुन्ध में गाड़ी चलाते वक्त–

1– अपना धैर्य न खोंये।

2– अपनी हेडलाइट को लो–बीम पर कर लें।

3– फॉग लैम्प का इस्तेमाल कर लें।

4– गाड़ी को धीरे चलायें और अगली गाड़ी से अपनी दूरी बढ़ायें।

5– गाड़ी को पटरी के साथ बाईं लेन में चलायें।

6– सामने के सीसे को साफ करने के लिए वायपर का इस्तेमाल करें।

7– ओवरटेक बिल्कुल न करें।

8– गाड़ी को सड़क पर पार्क न करें।

चढ़ाई व ढलान पर ड्राइव करते वक्त–

1– हैण्ड ब्रेक लगायें।

2– क्लच पैडल दबायें और पहला गियर लगायें।

3– रेस दबायें व क्लच पैडल छोड़ते रहे जब तक कि आपको यह न लगे कि गाड़ी आगे बढ़ने वाली है।

4– अब धीरे–धीरे हैण्ड ब्रेक छोड़े और आगे बढ़ें।

जब आप स्थिर अवस्था में ढलान से उतर रहे हों–

1– पहला गियर लगायें।

2– हैण्ड ब्रेक को डाउन करने से पहले पैर से ब्रेक पैडल दबा लें।

3– अब एक साथ हैण्ड ब्रेक को डाउन करें और क्लच को छोड़े और आगे बढ़े।

सुरक्षित ड्राइविंग

हाइवे पर वाहन चलाते समय ध्यान रखें कि–

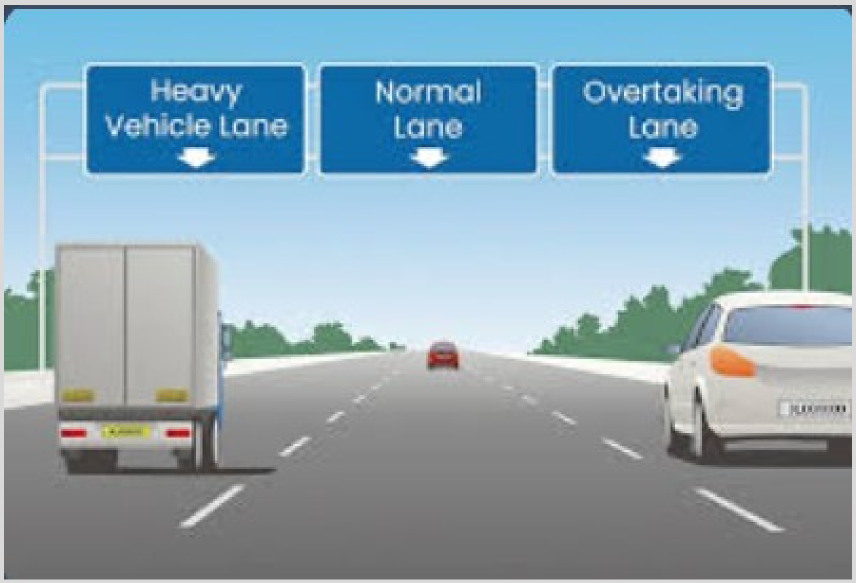

1– वाहन ठीक अवस्था में हो।

2– वाहन ओवरलोड न हो।

3– चालक मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ हो।

4– नियमित अन्तराल पर चालक रूके और आराम करें।

5– सामनें से आते वाहनों पर हाई बीम हेड लाइट का प्रयोग न करें।

6– निर्धारित गति सीमा के अन्दर ही वाहन चलायें।

https://youtube.com/shorts/UjleCAYeJbU?si=HtN53wIgouzgbMsj

आपात स्थितियों को सम्भालना

आपात स्थितियाँ	क्या करें।
यदि टायर फट जाए	1—स्टीयरिंग व्हील को मजबूती से पकड़े और गाड़ी सीधी रखने की कोशिश करें। 2— स्टीयरिंग व्हील को ज्यादा घुमाकर गाड़ी को घुमना बन्द करने की कोशिश करें। 3—हल्की ब्रेक लगाते हुए गाड़ी की गति कम करें और सड़के के किनारे खड़ा कर लें।
गाड़ी का फिसलने लगे	1—एक्सीलरेटर/ब्रेक से एकदम पांव हटा लें। 2—जिस तरफ गाड़ी फिसल रही हो स्टीयरिंग को भी उसी तरफ घुमायें। 3—गाड़ी नियंत्रण में आने पर धीरे से एक्सीलरेटर दबाकर पहियों की पकड़ मजबूत करें। 4—स्टीयरिंग को ज्यादा न घुमायें क्योंकि गाड़ी दूसरी दिशा में फिसल सकती है।
ब्रेक फेल हो जाए	1—खतरासूचक बत्तियां जला दें। 2—घबरायें नहीं। 3—एक्सीलरेटर से पांव हटा लें। 4—गाड़ी को निचले गियर में लायें। 5—यदि सम्भव हो तो अन्य सड़क प्रयोगकर्ताओं को सचेत करने के लिए हार्न बजाते रहें।

परिवहन शाखा के कर्मियों के कर्तव्य

परिवहन शाखा के कर्मियों का सर्वोच्च कर्तव्य यह होना चाहिये कि परिवहन शाखा में उपलब्ध समस्त प्रकार के वाहन (मोटर साइकिल, जिप्सी, जीप, बोलेरो, अम्बेसडर, ट्रक, बस एवं एम्बुलेंस आदि) पूर्ण रूप से **Road Worthy** होने चाहिये एवं वाहन पूर्ण रूप से संचालन के लिये फिटनेस टेस्ट के समस्त मानकों को पूर्ण करते हों, यह सुनिश्चित रखा जाय।	1. परिवहन शाखा का समस्त रिकार्ड का रखरखाव सही ढंग से रखने का उत्तरदायित्व है। 2. उच्च अधिकारियों द्वारा पारित आदेशों का पालन करना। 3. पुराने वाहनों को समय से कण्डम कराकर नीलाम कराना। 4. समय से निर्धारित डियूटी तथा वाहनों में वांछित मरम्मत/सुधार कार्य कराना। 5. परिवहन परिसर की समुचित साफ–सफाई रखना। 6. समय से वार्षिक नेत्र/स्वास्थ्य परीक्षण कराना। 7. कण्डम पार्टस को स्टॉकबुक के अनुसार कण्डम कराकर समय से उनकी नीलामी कराना। 8. परिवहन शाखा में उपलब्ध वाहनों की बैट्रियों का रख–रखाव करना। 9. परिवहन शाखा में उपलब्ध मशीन एवं उपकरणों का रख–रखाव कराना। 10. जनपद/इकाई में उपलब्ध पेट्रोल पम्प का रख–रखाव कराना। 11. समय–समय पर वाहनों के टायरों का रोटेशन करना। 12. चार्ज में प्रायः सभी वाहन चालू/सही दशा में रखना। 13. वाहनों के रिपेयर बिलों को लॉगबुक में अंकित कर भुगतान कराना। 14. वाहनों के टायर–टयूब, हुड, बैट्रियों का निष्प्रयोजन व नई बैट्रियों का क्रय कराना।

सच्ची मानवता–हमारा प्रथम कर्तव्य

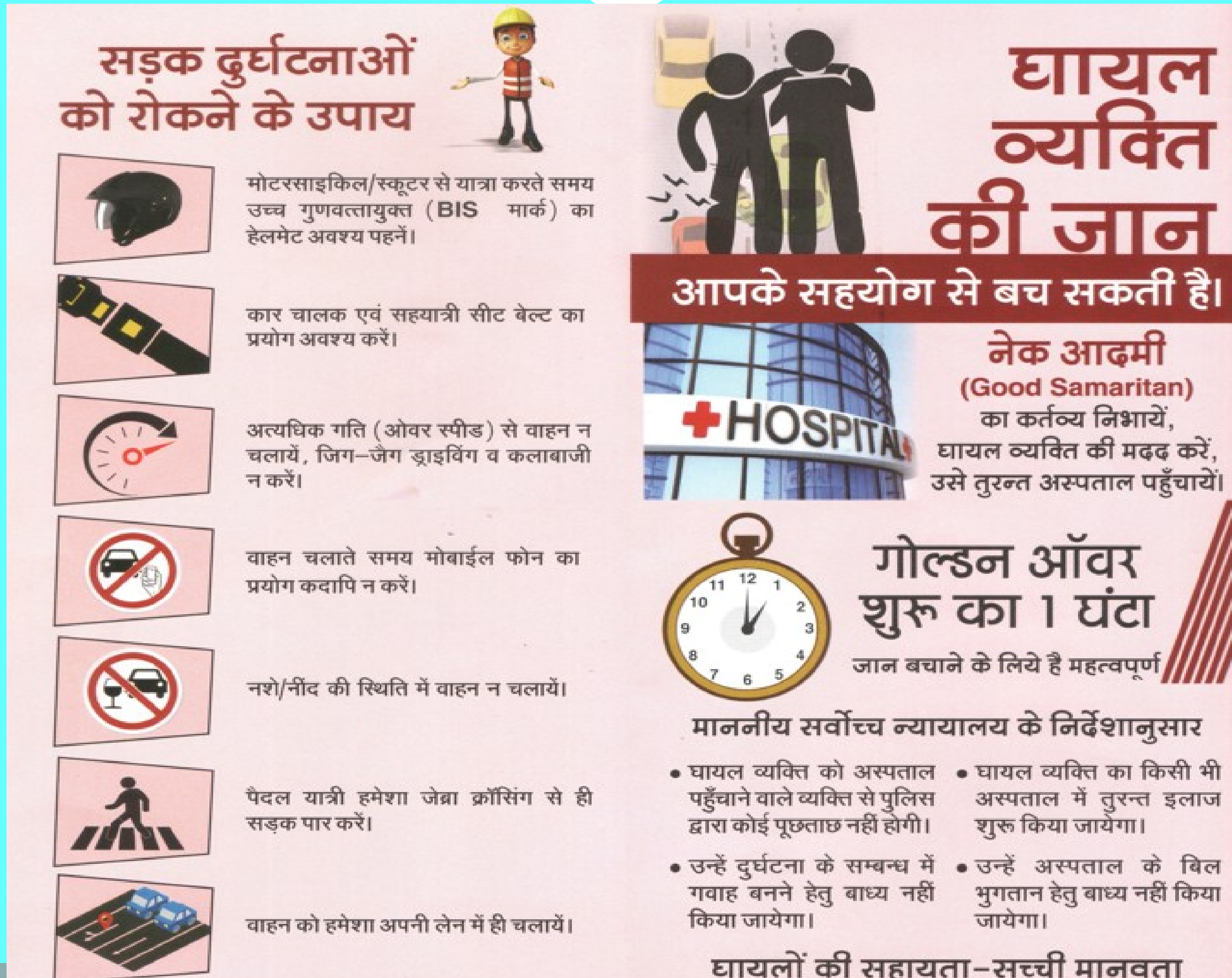

धन्यवाद्